दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
उच्च शिक्षा और शोध संस्थान
दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

दिनांकः 06.06.2015

Time: 10.00 am to 01.00 pm **बी.ए., (तृतीय वर्ष)** **पूर्णांकः75**

हिन्दी : (वैकल्पिक) प्रश्न पत्र-3

आधुनिक हिन्दी एकांकी

I. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3x10=30

1. एकांकी की परिभाषा बताते हुए प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डालिए।
2. ''दीपदान'' एकांकी में अभिव्यक्त पन्ना का चरित्र चित्रण कीजिए।
3. ''झोंक'' एकांकी की विषय वस्तु को स्पष्ट करते हुए उसकी मूल समस्या पर प्रकाश डालिए।
4. 'वापसी एकांकी में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना पर लेख लिखिए।
5. गाधांरी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

II. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4x5=20

1. 'अंधेर नगरी' एकांकी को प्रहसन क्यों माना गया है? विवरण दीजिए।
2. 'दीपदान' एकांकी की ऐतिहासिक पृष्टभूमि पर प्रकाश डालिए।
3. मक्सूद और असगर के चरित्र की तुलना कीजिए।
4. रंगा ने भारत की किन विशेषताओं का चित्रण किया है? स्पष्ट कीजिए।
5. 'यक्षप्रश्न' एकांकी का प्रमुख पात्र कौन है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए।

III. निम्न गध्यांशो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 5x5=25

1. सो बच्चा चलो यहाँ से। ऐसी अंधेर नगरी में हजार मन मिठाई मुफ़्त की मिलै तो किस काम की? यहां एक छन नहीं रहना

अथवा

तलवार से डर! चित्तौड में तलवार से कोई नहीं डरता, कुंवर। जैसे लता में फूल खिलते हैं वैसे ही यहां वीरों के हाथों में तलवार खिलती है।

2. मैं जानत हूं आनंद यह जोंक है, कोई और तरकीब भिडाओ पांच आने खर्च कर देगा तो क्या हुआ। गत वर्ष जाते-जाते मुझसे पांच रुपए ले गया था।

अथवा

सुनो तो,मेरे लिए तो जीवन में ऐसी सूखी चट्टाने थोडी ही हैं। मेरी कविता ही मेरी हरी-भरी वाटिका है। मैं उसे प्यार करता हूँ क्योंकि मुझे उसमें सौंदर्य दिखता है।

3. चुम रहो। उन्होंने हमारे साथ कौनसा अच्छा सलूक किया है। ये रियासत वाले हर मुल्क में अपना उल्लू सीधा करने के लिए आपस में लडा करते हैं और लोगों को परेशान करते हैं।

अथवा

यह देश जो स्वर्ग के तमाम पदार्थों से ठसा ठस भरा है और जिसके वासियों ने इसे प्रत्यक्ष नरक बना रखा है।

4. प्यास और पानी दो अलग वस्तुएँ हैं, दोनों का योग किसी तीसरी चीज से है। प्यास भीतर है। पानी बाहर है। तुम प्यासे.....प्यास क्या है? पानी कहाँ है?

अथवा

मैं अकेला कहाँ हूँ? आकाश ज्वालाओं और धुएँ से भर रहा है।.....यह दावानल ..अब यही तो मेरा संगी है.....मैं एकांकी कहाँ हूँ गांधारी?

5. मैं समय हूँ । तुम वर्तमान हो। वर्तमान को अपने समय का उत्तर देना होगा।

अथवा

अभी वह समय नहीं आया कुंवर। चितौड की रक्षा में तुम्हें तलवार के साथ ही सोना पडेगा।